...य उपजिला मजिस्ट्रेट एवं उपखण्ड अधिकारी, महवा

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज छैनो बी बनाम भीम मु. सं.	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
3.3.22 पत्रावली पेश हुई, वकील प्रार्थी उपस्थित प्रा.पत्र के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार से हैं कि प्रार्थीया का दावा न्यायालय हाजा में विचाराधीन था जिसमें तारीख पेशी 09-10-17 नियत थी। इस नियत तिथि को प्रार्थीया या उसका वकील पैरवी हेतु न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए थे जिसकी वजह से दावा अदम हाजरी-अदम पैरवी में खारिज कर दिया गया था। प्रार्थीया को इसकी जानकारी होने पर यह प्रा० पत्र बाबत दायरी पेश कर दावे को पुनः नम्बर पर लेने हेतु निवेदन किया है। प्रा०पत्र दर्ज रजि० किया जाकर अप्रार्थीगण की तलबी करवाई गई अप्रार्थीगण कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। प्रार्थीया के वकील की एक पक्षीय बहस सुनी गई। प्रार्थीया के हित को देखते हुए वाद को पुनः नम्बर पर लेने हेतु निवेदन किया। अतः न्याय हित में प्रार्थीया के हितों को देखते हुए प्रार्थीया का प्रा० पत्र वाद दायरी स्वीकार किया जाता है। तथा प्रार्थीया के वाद को पुनः नम्बर पर लेने के आदेश दिये जाते हैं। प्रा.पत्र फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा शामिल मूल दावा रहे।	